भारत में चिलर ऊर्जा कार्यकुशलता सुधार का प्रस्तावित कार्यक्रम

पर्यावरण प्रबंध योजना (ईएमपी) का प्रारूप

विश्व बैंक द्वारा भारत में प्रस्तावित चिलर ऊर्जा कार्यकुशलता कार्यक्रम का उद्देश्य ऊर्जा की दृष्टि से अक्षम और मुख्यत: क्लोरोफ्लूरो कार्बन (सीएफसी) आधारित चिलरों को बदलकर उनकी जगह ऊर्जा की दृष्टि से कार्यकुशल गैर-सीएफसी चिलर लगाना है. यह प्रतिस्थापन भावी चिलर मालिकों को सबसिडी जैसी आर्थिक सहायता देकर या उनके इच्छानुसार कार्बन क्रेडिट (क्लीन डेवलपमेंट मेकेनिज़्म आधारित) देकर किया जाएगा.

इस संबंध में पर्यावरण प्रबंध योजना (ईएमपी) का प्रारूप निम्न लिंक पर उपलब्ध है:

चिलर ऊर्जा कार्यकुशलता परियोजना - पर्यावरण प्रबंध योजना
(कृपया यहाँ क्लिक करें)

ईएमपी का यह प्रारूप चिलर विनिर्माताओं व चिलर मालिकों की इस योजना की प्रयोज्यता व व्यवहारिकता पर प्रतिक्रिया / सुझाव जानने के लिए प्रदर्शित किया गया है. आपसे अनुरोध है कि इस संबंध में अपने विचारों से निम्नलिखित अधिकारियों को अवगत कराएं:

नाम	ईमेल पता
श्री यशपाल गुप्ता, महाप्रबंधक	yashpal.gupta@idbi.co.in
श्री बी.डी. सावे, उप महाप्रबंधक	bd.save@idbi.co.in
श्री कपिल वाघेला, प्रबंधक	kapil.vaghela@idbi.co.in

आपसे अनुरोध है कि कृपया यह नोट करें कि इस परियोजना के संबंध में आईडीबीआई बैंक की प्रस्तावित मध्यस्थता / समन्वय इकाई आईडीबीआई बैंक और विश्व बैंक के बीच आवश्यक करार करने जा रही है तथा किसी कारणवश उक्त करार पर हस्ताक्षर न होने की स्थिति में इस घोषणा के आधार पर किसी को भी होने वाले नुकसान के लिए आईडीबीआई बैंक अथवा इसकी कोई सहायक संस्था या इसके निदेशक, कर्मचारी या सलाहकार ज़िम्मेदार नहीं होंगे.